

न्यायालय श्रीमान पीठासीन अधिकारी महोदय राजस्व मण्डल ग्वालियर  
कैम्प रीवा म०प्र०



16/2/15

201  
16-6-15

निगरानी 2193-11-15

रामजतन तनय गोबिन्द राम ब्राम्हण निवासी ग्राम चौका सोनवर्षा  
तहसील मउग्रंज, जिला रीवा म०प्र०  
निगरानीकर्ता

बनाम

क्रमांक 5851  
रजिस्टर्ड पोस्ट द्वारा आज  
दिनांक 16-6-15 प्राप्त  
क्लर्क अफिस कोर्ट  
राजस्व मण्डल ग्वालियर

1. रामजी तनय रामनिहोर ब्रा०
- श्रीमती सुनीता पत्नी श्यामाचरण
- कु० पुष्पा कुत्री श्यामाचरण
- कु० सुन्नी कुत्री स्व० श्यामाचरण
- राजकुमार पुत्र स्व० श्यामाचरण
- राजेश पुत्र स्व० श्यामाचरण
- सुन्ना लाल पुत्र स्व० श्यामाचरण
- सुरेश पुत्र स्व० श्यामाचरण

श्री. अनीष. श्रीवास्तव एड.  
द्वारा आज दिनांक 16-6-15 के  
प्रस्तुत किया गया।

सर्टिफिकेट रीवा

2. अना० क्र० 4 ता 8 अल्पवयस्क संरक्षिका मता श्रीमती सुनीता पत्नी स्व० श्यामाचरण निवासी समस्त चौका सोनवर्षा, तहसील मउग्रंज जिलारिवा म०प्र०
3. सुन्दरी बिधवा पत्नी रामनिहोर ब्रा० निवासी चौका सोनवर्षा तहसील मउग्रंज जिलारिवा म०प्र०

अनावेदकगण

निगरानी बिलुद्ध आदेश अपर आयुक्त महोदय रीवा संभागरीवा के प्र० क्र० 434/निगरानी/05-06 मे पारित आदेश दिनांक 30.3.2015 के बिलुद्ध निगरानी अन्तर्गत धारा 50 म०प्र० और 10 सं० के अधीन निगरानी

महोदय,

Handwritten signature

निगरानी के तथ्य:-

प्रकरण का संक्षिप्त तथ्य इस प्रकार है कि आवेदक के द्वारा एक १०००

Handwritten signature

(64)  
राजस्व मण्डल, मध्यप्रदेश ग्वालियर  
अनुवृत्ति आदेश पृष्ठ-अ

प्रकरण क्रमांक R-2193-दो/15 जिला-रीवा

रामजलन या. विरुद्ध रामजी व अन्य

(1)	(2)	(3)
15-1-19	<p>1. आवेदक की ओर से श्री. अनीष नारायण अधिवक्ता द्वारा यह निगरानी कमिश्नर/अपर कमिश्नर, रीवा संभाग रीवा के प्रकरण क्रमांक 434/निगरानी/2015-16 में पारित आदेश दिनांक 30-3-15 के विरुद्ध इस न्यायालय में दिनांक 16-6-15 प्रस्तुत की गयी है।</p> <p>2. म0प्र0 भू-राजस्व संहिता में दिनांक 25.09.2018 को हुये संशोधन के फलस्वरूप अब नवीन संहिता की धारा 50 सहपठित संहिता की धारा 54(ए) के अन्तर्गत निगरानी सुनने की अधिकारिता इस न्यायालय को नहीं है। अतः आवेदक को सक्षम न्यायालय में आवेदन प्रस्तुत करने हेतु मूलतः वापस किया जाता है। निगरानी की छायाप्रति प्रकरण के साथ रखी जाये।</p> <p>3. इस न्यायालय का प्रकरण समाप्त किया जाता है, तत्पश्चात प्रकरण दा.द. हो।</p> <p style="text-align: right;">सदस्य</p>	

निगरानी के तथ्य:-

प्रकरण का समाप्त तथ्य इस प्रकार है कि आवेदक के द्वारा एक एगो

श्री  
द्वारा

रामजलन